M 1/20-343
M 1.5/20-102

# Bescheid

Die Telekom-Control-Kommission hat durch Mag. Barbara Nigl, LL.M. als Vorsitzende sowie durch Mag. Mathias Grandosek und Univ.-Prof. DI Dr. Christoph Mecklenbräuker in der Sitzung vom 07.11.2025 folgenden Bescheid beschlossen:

## I. Spruch

Gemäß § 62 Abs 4 AVG wird der Bescheid der Telekom-Control-Kommission vom 28.08.2023, M 1.5/20-94, in seinem Spruchpunkt 3.2.2. dahingehend berichtigt, dass er zu lauten hat:

„A1 Telekom Austria AG hat gemäß § 96 Abs 1 TKG 2021 für die von ihr angebotenen Ethernetdienste mit garantierter Bandbreite auf Vorleistungsebene iSd Spruchpunktes 3.1.1 binnen maximal zwei Jahren und sechs Monaten ab Zustellung dieses Bescheides maximal die in Tabelle 2 angeführten Anschlussentgelte (monatlich) und Serviceentgelte (monatlich) zu verrechnen, wobei der Stichtag der vollständigen Erfüllung dieser Verpflichtung der Regulierungsbehörde mitzuteilen ist.

**Telekom-Control-Kommission (TKK)**
bei der Rundfunk und Telekom Regulierungs-GmbH (RTR-GmbH)

Mariahilfer Straße 77–79
1060 Wien, Österreich
www.rtr.at
E: rtr@rtr.at
T: +43 1 58058 - 0
FN 208312t, HG Wien

**Tabelle 2: Maximale Entgelte für Ethernetdienste mit garantierter Bandbreite auf Vorleistungsebene 2 Jahre und 6 Monate nach Bescheidzustellung (in € exkl USt pro Monat)**

| Bandbreite Mbit/ | Anschluss (Monat) | | | Service regional (Monat) | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | LH* | C* | R* | Premium | Advanced | Standard |
| 2 | 79 | 116 | 202 | 55 | 37 | 10 |
| 4 | 85 | 126 | 213 | 58 | 39 | 11 |
| 6 | 91 | 136 | 223 | 60 | 41 | 11 |
| 8 | 97 | 145 | 233 | 63 | 42 | 12 |
| 10 | 116 | 172 | 276 | 73 | 49 | 15 |
| 15 | 133 | 199 | 319 | 83 | 56 | 17 |
| 20 | 148 | 216 | 366 | 94 | 63 | 19 |
| 30 | 154 | 226 | 392 | 100 | 67 | 20 |
| 40 | 160 | 234 | 407 | 104 | 70 | 21 |
| 50 | 165 | 243 | 416 | 107 | 72 | 21 |
| 60 | 171 | 252 | 425 | 109 | 73 | 22 |
| 80 | 179 | 267 | 436 | 112 | 75 | 23 |
| 100 | 190 | 284 | 454 | 118 | 79 | 24 |
| 150 | 220 | 323 | 611 | 151 | 102 | 30 |
| 200 | 246 | 361 | 633 | 165 | 111 | 34 |
| 250 | 259 | 399 | 766 | 190 | 127 | 39 |
| 300 | 273 | 436 | 815 | 209 | 140 | 43 |
| 400 | 301 | 462 | 895 | 236 | 159 | 48 |
| 500 | 343 | 528 | 1005 | 255 | 171 | 52 |
| 600 | 384 | 591 | 1017 | 272 | 183 | 55 |
| 700 | 425 | 653 | 1079 | 291 | 195 | 59 |
| 800 | 466 | 712 | 1141 | 308 | 207 | 62 |
| 900 | 505 | 777 | 1257 | 342 | 230 | 69 |
| 1000 | 545 | 838 | 1372 | 376 | 252 | 75 |
| 1500 | 621 | 955 | 1604 | 444 | 297 | 89 |
| 2000 | 696 | 1071 | 2050 | 572 | 384 | 115 |
| 2500 | 772 | 1187 | 2267 | 635 | 425 | 127 |
| 3000 | 848 | 1304 | 2482 | 698 | 467 | 140 |
| 4000 | 999 | 1537 | 2909 | 821 | 550 | 164 |
| 5000 | 1151 | 1769 | 3110 | 878 | 588 | 175 |
| 6000 | 1302 | 2003 | 3312 | 935 | 627 | 187 |
| 8000 | 1549 | 2323 | 3716 | 1050 | 703 | 209 |
| 10000 | 1717 | 2575 | 4122 | 1163 | 780 | 232 |

* LH = Landeshauptstadt,* C = City,* R = Regional“

# II. Begründung

## A. Gang des Verfahrens und festgestellter Sachverhalt

Mit Bescheid der Telekom-Control-Kommission vom 28.8.2023, M 1.5./20. wurde festgestellt, dass der *„Markt für Zugänge von hoher Qualität an festen Standorten (Vorleistungsmarkt)“* hinsichtlich seiner Teile Ethernetdienste mit garantierter Bandbreite auf Vorleistungsebene und unbeschaltete Glasfasern auf Vorleistungsebene außerhalb der im Anhang bezeichneten Gemeinden ein der sektorspezifischen Regulierung unterliegender Markt ist, wohingegen dieser Markt innerhalb dieses Gebiets kein der sektorspezifischen Regulierung unterliegender Markt ist. Der A1 Telekom Austria AG wurden mit diesem Bescheid hinsichtlich des regulierten Marktes spezifische Verpflichtungen auferlegt.

Insbesondere wurde in den Spruchpunkten 3.2.1. und 3.2.2. dieses Bescheides Folgendes festgelegt:

*„3.2.1. A1 Telekom Austria AG hat gemäß § 96 Abs 1 TKG 2021 für die von ihr angebotenen Ethernetdienste mit garantierter Bandbreite auf Vorleistungsebene iSd Spruchpunktes 3.1.1, Pkt i., binnen maximal sechs Monaten ab Zustellung dieses Bescheides allen Nachfragern maximal die in Tabelle 1 angeführten Anschlussentgelte (monatlich) und Serviceentgelte (monatlich) zu verrechnen, wobei der Stichtag der vollständigen Erfüllung dieser Verpflichtung der Regulierungsbehörde mitzuteilen ist.*

*Tabelle 1: Maximale Entgelte für Ethernetdienste mit garantierter Bandbreite auf Vorleistungsebene 6 Monate nach Bescheidzustellung (in € exkl USt pro Monat)*

| Bandbreite Mbit/s | Anschluss (Monat) | | | Service regional (Monat) | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | LH* | C* | R* | Premium | Advanced | Standard |
| 2 | 88 | 129 | 224 | 61 | 41 | 11 |
| 4 | 94 | 140 | 236 | 65 | 43 | 12 |
| 6 | 101 | 151 | 247 | 67 | 45 | 13 |
| 8 | 108 | 162 | 258 | 70 | 47 | 14 |
| 10 | 128 | 191 | 307 | 82 | 54 | 16 |
| 15 | 148 | 221 | 354 | 93 | 62 | 19 |
| 20 | 165 | 241 | 406 | 105 | 71 | 21 |
| 30 | 171 | 251 | 435 | 111 | 75 | 22 |
| 40 | 178 | 260 | 452 | 116 | 77 | 23 |
| 50 | 184 | 270 | 462 | 119 | 80 | 24 |
| 60 | 190 | 280 | 473 | 122 | 82 | 25 |
| 80 | 199 | 297 | 485 | 125 | 83 | 26 |
| 100 | 211 | 315 | 505 | 131 | 88 | 26 |
| 150 | 245 | 359 | 679 | 168 | 113 | 33 |
| 200 | 274 | 401 | 704 | 184 | 123 | 37 |
| 250 | 288 | 444 | 851 | 211 | 141 | 43 |
| 300 | 303 | 485 | 905 | 232 | 156 | 48 |
| 400 | 334 | 513 | 995 | 263 | 177 | 54 |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 500 | 382 | 587 | 1117 | 283 | 190 | 58 |
| 600 | 427 | 656 | 1131 | 303 | 203 | 61 |
| 700 | 472 | 726 | 1199 | 323 | 217 | 65 |
| 800 | 518 | 791 | 1267 | 343 | 230 | 69 |
| 900 | 561 | 864 | 1397 | 380 | 255 | 77 |
| 1000 | 605 | 932 | 1525 | 417 | 280 | 83 |
| 1500 | 690 | 1061 | 1782 | 493 | 330 | 99 |
| 2000 | 774 | 1190 | 2278 | 636 | 427 | 128 |
| 2500 | 858 | 1319 | 2519 | 706 | 473 | 141 |
| 3000 | 943 | 1449 | 2758 | 776 | 519 | 156 |
| 4000 | 1110 | 1708 | 3232 | 912 | 611 | 182 |
| 5000 | 1278 | 1966 | 3456 | 976 | 654 | 195 |
| 6000 | 1447 | 2225 | 3681 | 1039 | 696 | 207 |
| 8000 | 1721 | 2581 | 4129 | 1166 | 781 | 232 |
| 10000 | 1908 | 2861 | 4580 | 1292 | 866 | 258 |

**LH = Landeshauptstadt, *C = City, *R = Regional*

*3.2.2. A1 Telekom Austria AG hat gemäß § 96 Abs 1 TKG 2021 für die von ihr angebotenen Ethernetdienste mit garantierter Bandbreite auf Vorleistungsebene iSd Spruchpunktes 3.1.1 binnen maximal zwei Jahren und sechs Monaten ab Zustellung dieses Bescheides maximal die in Tabelle 2 angeführten Anschlussentgelte (monatlich) und Serviceentgelte (monatlich) zu verrechnen, wobei der Stichtag der vollständigen Erfüllung dieser Verpflichtung der Regulierungsbehörde mitzuteilen ist.*

*Tabelle 2: Maximale Entgelte für Ethernetdienste mit garantierter Bandbreite auf Vorleistungsebene 2 Jahre und 6 Monate nach Bescheidzustellung (in € exkl USt pro Monat)*

| Bandbreite Mbit/s | Anschluss (Monat) | | | Service regional (Monat) | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | LH* | C* | R* | Premium | Advanced | Standard |
| 2 | 79 | 116 | 202 | 55 | 37 | 10 |
| 4 | 85 | 126 | 213 | 58 | 39 | 11 |
| 6 | 91 | 136 | 223 | 60 | 41 | 11 |
| 8 | 97 | 145 | 233 | 63 | 42 | 12 |
| 10 | 116 | 172 | 276 | 73 | 49 | 15 |
| 15 | 133 | 199 | 319 | 83 | 56 | 17 |
| 20 | 148 | 216 | 366 | 94 | 63 | 19 |
| 30 | 154 | 226 | 392 | 100 | 67 | 20 |
| 40 | 160 | 234 | 407 | 104 | 70 | 21 |
| 60 | 165 | 243 | 416 | 107 | 72 | 21 |
| 80 | 171 | 252 | 425 | 109 | 73 | 22 |
| 100 | 179 | 267 | 436 | 112 | 75 | 23 |
| 150 | 190 | 284 | 454 | 118 | 79 | 24 |
| 200 | 220 | 323 | 611 | 151 | 102 | 30 |
| 250 | 246 | 361 | 633 | 165 | 111 | 34 |
| 300 | 259 | 399 | 766 | 190 | 127 | 39 |
| 400 | 273 | 436 | 815 | 209 | 140 | 43 |
| 500 | 301 | 462 | 895 | 236 | 159 | 48 |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 600 | 343 | 528 | 1005 | 255 | 171 | 52 |
| 700 | 384 | 591 | 1017 | 272 | 183 | 55 |
| 800 | 425 | 653 | 1079 | 291 | 195 | 59 |
| 900 | 466 | 712 | 1141 | 308 | 207 | 62 |
| 1000 | 505 | 777 | 1257 | 342 | 230 | 69 |
| 1500 | 545 | 838 | 1372 | 376 | 252 | 75 |
| 2000 | 621 | 955 | 1604 | 444 | 297 | 89 |
| 2500 | 696 | 1071 | 2050 | 572 | 384 | 115 |
| 3000 | 772 | 1187 | 2267 | 635 | 425 | 127 |
| 4000 | 848 | 1304 | 2482 | 698 | 467 | 140 |
| 5000 | 999 | 1537 | 2909 | 821 | 550 | 164 |
| 6000 | 1151 | 1769 | 3110 | 878 | 588 | 175 |
| 8000 | 1302 | 2003 | 3312 | 935 | 627 | 187 |
| 10000 | 1549 | 2323 | 3716 | 1050 | 703 | 209 |

** LH = Landeshauptstadt,* C = City,* R = Regional*"

In der Begründung dieses Bescheides wird ausgeführt (S 41 ff, 77f):

*„[…] Um den Bedarf an höheren Bandbreiten im Zeitverlauf zu annähernd gleichen Kosten zu gewährleisten und eine Kostenüberdeckung zu verhindern, sollten wie schon in der Vorgängerentscheidung der Telekom-Control-Kommission (Bescheid M 1.8/15-74 vom 11.06.2018) zumindest sechs Monate nach Bescheiderlassung und zwei Jahre danach Preisabsenkungsschritte vorgenommen werden. Die niedrigeren Entgelte sollten sowohl für Neu- als auch Bestandskunden gelten. […]*

*Aus ökonomischer Sicht sind Preisabsenkungen vorzunehmen, welche sich an der Kostenüberdeckung des Jahres 2021 orientieren sollen. Dabei soll A1 alle Preise des derzeit gültigen Standardangebots idF vom 5.10.2020, dh Preise für Verbindungen Regional und den Anschluss (Regional, City, Top), in einem ersten Schritt um 15% senken. Die Kostenüberdeckung ist zwar in den Jahren 2018 bis 2021 angestiegen, weshalb auch eine höhere Absenkung in Betracht zu ziehen wäre; gleichzeitig ist aber über mehrere Jahre auch eine gewisse Schwankung zu beobachten, sodass eine Reduktion in diesem Ausmaß auch zu einer Kostenunterdeckung führen könnte. Daher ist aus ökonomischer Sicht in einem ersten Schritt eine Absenkung von 15% gerechtfertigt (ON 2, S63). Diese erste Preissenkung kann zeitlich flexibel erfolgen und soll bis spätestens sechs Monate nach Erlassung des Bescheides abgeschlossen sein.*

*Nach weiteren zwei Jahren soll eine weitere Preisabsenkung in Höhe von 10% erfolgen. Da weiterhin eine Zunahme der Nachfrage und insbesondere der Nachfrage nach höheren Bandbreiten zu erwarten ist, käme es ohne weitere Absenkungsschritte voraussichtlich zu einer deutlichen Kostenüberdeckung. Die Zahlen der getrennten Buchführung zeigen, dass es trotz des Absenkungsschritts Ende 2018 in den Jahren 2019 (15,1%, ON 27, S 8, Tabelle 6) und 2020 (19,1%, ON 27, S 8, Tabelle 6) sowie 2021 (21,2%, ON 27, S 8, Tabelle 6) bei Ethernetdiensten zu einer erheblichen Kostenüberdeckung kam. Der Absenkungsschritt 2018 erfolgte nicht einheitlich über alle Bandbreiten bzw Dienste, sondern lag je nach Bandbreite im Bereich zwischen 2% und 27%. Mengengewichtet ergab sich eine durchschnittliche Preisreduktion über alle vermieteten Bandbreiten in Höhe von 13% (ON 2, S 63). Ein weiterer Absenkungsschritt*

*iHv 10% ist daher geeignet, die Kostenüberdeckung zu reduzieren, ohne zu einer Kostenunterdeckung zu führen (ON 27, S 8/9). […]*

*4.6.2.2 Zur konkreten Verpflichtung*

*[…]*

*Hinsichtlich der von ihr bereitgestellten Ethernetdienste auf Vorleistungsebene darf A1 daher Entgelte nur innerhalb bestimmter betraglicher Obergrenzen abzüglich eines in Prozentpunkten bestimmten Abschlags verrechnen, der in einem ersten Schritt im Ausmaß von 15% binnen sechs Monaten nach Bescheiderlass erfolgt und in einem zweiten Schritt im Ausmaß von 10% nach Ablauf von weiteren zwei Jahren angepasst wird. […]*

*4.6.2.3 Zur Verhältnismäßigkeit*

*[…]*

*Der zweite Preisabsenkungsschritt wurde zudem mit 10% konservativ angesetzt […]"*

## B. Beweiswürdigung

Die Feststellungen ergeben sich unzweifelhaft aus dem zu M 1.5/20, M 1/20 geführten Verwaltungsakt, insbesondere dem Bescheid der Telekom-Control-Kommission vom 28.08.2023, M 1.5/20-94.

## C. Rechtliche Beurteilung

### 1. Zur Zuständigkeit der Telekom-Control-Kommission

Gemäß § 198 Z 12 Telekommunikationsgesetz 2021, BGBl I Nr 190/2021 idgF, (TKG 2021) ist die Telekom-Control-Kommission unter anderem für die Feststellung der der sektorspezifischen Regulierung unterliegenden relevanten Märkte sowie die Feststellung, ob auf diesen jeweils ein oder mehrere Unternehmen über beträchtliche Marktmacht verfügen oder aber effektiver Wettbewerb gegeben ist und die Aufhebung, Beibehaltung, Änderung oder Auferlegung von spezifischen Verpflichtungen gemäß § 87 TKG 2021 zuständig.

Zur Erlassung eines Berichtigungsbescheides gemäß § 62 Abs 4 AVG ist jene Behörde berufen, die den zu berichtigenden Bescheid erlassen hat (vgl *Hengstschläger/Leeb*, AVG § 62, Rz 52).

### 2. Zur Berichtigung gemäß § 62 Abs 4 AVG

Gemäß § 62 Abs 4 AVG kann die Behörde Schreib- und Rechenfehler oder diesen gleichzuhaltende, offenbar auf einem Versehen oder offenbar ausschließlich auf technisch mangelhaftem Betrieb einer automationsunterstützten

Datenverarbeitungsanlage beruhende Unrichtigkeiten in Bescheiden jederzeit von Amts wegen berichtigen.

Ein Rechenfehler liegt nur dann vor, wenn eine (offen gelegte) rechnerische Operation – notwendigerweise schon im Bescheidkonzept – unrichtig vorgenommen wurde, und kann daher „meist“ durch rechnerische Kontrollen festgestellt werden (*Hengstschläger/Leeb*, AVG § 62, Rz 41).

Eine auf einem Versehen beruhende Unrichtigkeit liegt dann vor, wenn in der ursprünglichen Entscheidung der Gedanke, den die Behörde offenbar aussprechen wollte, unrichtig wiedergegeben wurde, wenn also die zu berichtigende Entscheidung dem Willen der Behörde offenbar so nicht entsprochen, sondern sich diese deutlich erkennbar (bloß) im Ausdruck vergriffen hat (*Hengstschläger/Leeb*, AVG § 62, Rz 46).

Es muss klar erkennbar sein, dass der Behörde ein Fehler unterlaufen ist und auch welchen Inhalt der Bescheid nach ihrem Willen haben sollte (*Hengstschläger/Leeb*, AVG § 62, Rz 46).

Offenkundig ist die Unrichtigkeit dann, wenn sie jene Personen, für die der Bescheid bestimmt ist, erkennen können. Diese Voraussetzung ist dann gegeben, wenn das Erkennen des Versehens kein längeres Nachdenken und keine Nachschau im Gesetz erfordert, wobei vom Maßstab eines mit der zu behandelnden Materie vertrauten Durchschnittsbetrachters auszugehen ist. Unter „Durchschnittsbetrachter“ ist nicht etwa ein durchschnittlicher Rechtsanwender im Bereich der jeweiligen Rechtsmaterie, sondern vielmehr eine mit ihrem eigenen Fall vertraute durchschnittliche Verfahrenspartei gemeint. Außerdem setzt die Offenkundigkeit im Sinne des § 62 Abs 4 AVG voraus, dass die Behörde bei entsprechender Aufmerksamkeit den Fehler bereits bei Erlassung des Bescheides hätte vermeiden können. Bei der Klärung der maßgeblichen Frage, ob eine Unrichtigkeit klar erkennbar ist, kommt es letztlich auch auf den Inhalt der übrigen Bescheidteile (zB der Begründung) sowie auf den Akteninhalt an (*Hengstschläger/Leeb*, AVG § 62, Rz 47).

Bei der Frage, ob die Voraussetzungen für eine Berichtigung gemäß § 62 Abs 4 AVG vorliegen, handelt es sich zudem in der Regel um eine bloße Rechtsfrage und es ist daher nicht erforderlich, den Parteien vor Erlassung des Berichtigungsbescheides Gehör zu gewähren (*Hengstschläger/Leeb*, AVG § 62, Rz 64 mit Hinweis auf die dort zitierte Rsp des VwGH).

Im gegenständlichen Fall ergibt sich aus der Bescheidbegründung eindeutig, dass in einem ersten Schritt eine Preisabsenkung um 15 % bis spätestens sechs Monate nach Erlassung des Bescheides und nach weiteren zwei Jahren eine weitere Preisabsenkung in Höhe von 10 % erfolgen soll.

In der Tabelle für die maximalen Entgelte zwei Jahre und sechs Monate nach Bescheidzustellung fehlt jedoch irrtümlich die Zeile für 50 Mbit/s, stattdessen wurde die Preisabsenkung, die auf 50 Mbit/s anzuwenden gewesen wäre, in der Zeile für 60 Mbit/s angeführt. Dadurch kommt es bei 60 Mbit/s zu einer Absenkung von 13% anstelle der beabsichtigten 10%. Dieser Fehler setzt sich in den nachfolgenden Zeilen

fort und es kommt in weiterer Folge zu höheren Preisabsenkungen als von der Behörde beabsichtigt.

In Spruchpunkt 3.2.2. ist es in Tabelle 2 somit versehentlich zu einem Rechenfehler gekommen. Dieser Fehler ist (jedenfalls für eine durchschnittliche Verfahrenspartei) auch offenkundig.

Der Verwaltungsgerichtshof hat zu einer Berichtigung nach § 62 Abs 4 AVG ausgesprochen, dass die Entscheidung auch vor einer Berichtigung bereits in der entsprechenden richtigen Fassung zu lesen ist, wenn es sich um offenbar auf Versehen beruhende Unrichtigkeiten, die nach § 62 Abs. 4 AVG jederzeit hätten berichtigt werden können, handelt (vgl dazu etwa VwGH 14.04.2022, Ra 2022/14/0082, 28.01.2019, Ra 2018/01/0428). Vor diesem Hintergrund bedarf die gegenständliche Berichtigung nicht der Durchführung von Verfahren nach §§ 206 und 207 TKG 2021.

Der Bescheid war demnach gemäß § 62 Abs 4 spruchgemäß zu berichtigen.

# III. Rechtsmittelbelehrung

Gegen diesen Bescheid steht den Parteien dieses Verfahrens gemäß § 200 Abs 7 TKG 2021 das Rechtsmittel der Beschwerde an das Bundesverwaltungsgericht (§ 9 Verwaltungsgerichtsverfahrensgesetz, VwGVG, BGBl I Nr 33/2013 idgF) offen, wobei vor Einbringung der Beschwerde eine Eingabegebühr in der Höhe von 50 Euro unter Angabe des Verwendungszwecks an das Finanzamt Österreich, Dienststelle Sonderzuständigkeiten, zu entrichten und die Entrichtung der Gebühr bei Einbringung der Beschwerde nachzuweisen ist (BuLVwG-Eingabengebührverordnung, BuLVwG-EGebV, BGBl II 387/2014 idgF). Die Beschwerde ist binnen vier Wochen nach Zustellung dieses Bescheides bei der Behörde, die den Bescheid erlassen hat, einzubringen.

Telekom-Control-Kommission
Wien, am 07.11.2025

Die Vorsitzende
Mag. Barbara Nigl, LL.M.